- bordernewsmirror@gmail.com
- पटना, दिल्ली व कोलकाता से एक साथ प्रसारित
- द्विभाषिक समाचार पत्र

BORDERNEWSMIRROR BNM to the point...

02 नवादा में कल ऐतिहासिक होगी पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा: विवेक ठाकुर

03 चोरी-चुपके प्रेमिका के घर पहुंचे प्रेमी की पहले धुनाई फिर लोगो ने कराई शादी

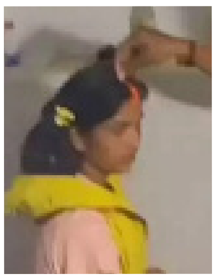

बॉर्डर न्यूज मिरर

...खबरों से समझौता नहीं

● पटना, रविवार, 07 अप्रैल 2024 | www.bordernewsmirror.com | ● पृष्ठ: 08, मूल्य: 5 रुपए ● वर्ष: 05, अंक: 36

LAKSHYA RAJ KIDZEE

Lakshya Raj Public School

Mission Chowk, Pataura (Infornt of Durga Mandir) Motihari Mob.- 9128562441

देश के विकास के लिए मोदी ने ऐतिहासिक निर्णय लिये: धामी

ऊमधसिंह नगर /नैनीताल। उत्तराखंड के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने शनिवार को अपने गृह नगर खटीमा में जन मिलन कार्यक्रम में प्रतिभाग करते हुए कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपने कार्यकाल में देश के विकास के लिये ऐतिहासिक और साहसिक निर्णय लिये हैं। देश ने अभूतपूर्व प्रगति की है।श्री धामी शनिवार को ऊधमसिंह नगर के दौरे पर रहे। पहले उन्होंने नानकमत्ता गुरूद्वारा में डेरा प्रमुख तरसेम सिंह की स्मृति में आयोजित शांति पाठ में प्रतिभाग किया और अपनी श्रद्धांजलि अर्पित की। बाबा तरसेम सिंह का 28 मार्च को गोली मार कर हत्या कर दी गयी थी।यहां से वह अपने गृह नगर खटीमा गये और पार्टी की ओर से आयोजित जन मिलन कार्यक्रम में हिस्सा लिया। इस दौरान उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री ने धारा 370, तीन तलाक, सीएए जैसे बेहद महत्वपूर्ण और ऐतिहासिक निर्णय लिये हैं। श्री धामी ने कहा कि कश्मीर में धारा 370

खत्म करने से देश में अमन और शांति है। तीन तलाक से मुस्लिम बहनों और परिवारों को लाभ हुआ है। यही नहीं अयोध्या में बहुप्रतीक्षित राम मंदिर का निर्माण किया है। उन्होंने सीएए कानून को भी महत्वपूर्ण कदम बताया।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी का प्रदेश से विशेष लगाव है और उन्होंने प्रदेश के विकास को नयी गति दी है।मुख्यमंत्री ने अपनी सरकार की ओर से किये गये कार्यों को भी गिनाया।

खटीमा के बंडिया में आयोजित जन मिलन कार्यक्रम में उमड़ी भीड़ और पार्टी कार्यकर्ताओं ने श्री धामी का भव्य स्वागत किया। उन पर फूल बरसाये। श्री धामी भी गद्‍द् नजर आये।

भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई जारी रहेगी: मोदी

बीएनएम@अजमेर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कांग्रेस और विपक्षियों पर कड़ा प्रहार करते हुये शनिवार को कहा, " मोदी सरकार का तीसरा कार्यकाल बहुत दूर नहीं, भ्रष्टाचार के खिलाफ मोदी की लड़ाई जारी रहेगी। "श्री मोदी अजमेर के निकटवर्ती तीर्थराज पुष्कर के मेला मैदान पर लोकसभा चुनाव के लिये अजमेर तथा नागौर से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशियों के समर्थन में "विजय शंखनाद रैली "को सम्बोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा, " सरकार बनते ही हम बड़े फैसले लेंगे, भ्रष्टाचार के खिलाफ मेरी तैयारी पूरी है। "उन्होंने कांग्रेस और इंडिया गठबंधन पर तंज कसते हुये कहा, "वे जितना कीचड़ उछालेंगे, कमल उतना ही खिलेगा। मोदी चट्टान की तरह खड़ा है। पिछले 10 वर्षों में लूट और भ्रष्टाचार की बीमारी का परमानेंट इलाज कर इनकी दुकान का शटर गिरा दिया। ये सब तो ट्रेलर है, अभी तो बहुत कुछ करना है। आपका सपना-मोदी का संकल्प है। 2047 तक भारत को विकसित कर , दुनियां की तीसरी आर्थिक ताकत बनाना है। "श्री मोदी ने कांग्रेस के '5 न्याय-25 गांरटी' घोषणा पत्र को 'झूठ

का पुलिंदा' करार देते हुये कहा कि यह उनका घोषणा पत्र कांग्रेस को ही बेनकाब करने वाला है, जिसमें से भारत के टुकड़े करने की बूं आती है। उन्होंने कहा कि आजादी के समय मुस्लिम लीग के विचारों को कांग्रेस भारत पर थोपना चाहती है, जिसमें वामपंथी भी शामिल हो गये। उन्होंने कहा कि आज की कांग्रेस के पास न सिद्धांत हैं और नीतियां ही, उन्होंने सब कुछ ठेके पर दे दिया है। कांग्रेस जहाँ रहती है, वहां का विकास हो ही नहीं सकता। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कभी भी गरीबों-वंचितों के लिये नहीं सोचा। कांग्रेस परिवार वाद और भ्रष्टाचार करने वाली पार्टी है, एक तो करेला, दूसरे नीम चढ़ा। प्रधानमंत्री ने केंद्र में भाजपा शासन

> **श्री मोदी ने राजस्थान-गुजरात में पानी की विकट समस्या का जिक्र करते हुये कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के कारण वर्षों से लटकी ईआरसीपी को 100 दिन में ही सहमति बनाकर राज्य के अनेक जिलों में पानी की समस्या के निदान का मार्ग प्रशस्त कर दिया गया।**

में पिछले 10 सालों में नारी उत्थान की योजनाओं का जिक्र करते हुए कहा, " मैं हर मां का दुखदर्द समझता हूँ। "उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री आवास योजना के मकान महिलाओं के नाम, प्रसूता महिला को छः माह का अवकाश, महिला मुखिया का बैंक खाता आदि अनेक काम नारी उत्थान के लिये किये गये हैं। महिलाओं को संसद-विधानसभा में भी आगे बढ़ाया जा रहा है । उन्होंने कहा कि देश में राजस्थान की चर्चा नकारात्मक कारणों पेपर लीक, अपराध, माफिया, महिला अत्याचार, बलात्कार जैसे मामलों मे, लेकिन भाजपा राज आते ही की गयी कार्रवाइयों से दोषियों को पकड़ा जा रहा है। ये सब भाजपा की तेज रफ्तार का परिणाम हैं।

कांग्रेस का वादा | अगर लोकसभा चुनाव में हमारी सरकार आई तो हम जनता को दी सभी गारंटियों को अमल में लायेंगे

मोदी झूठों के सरदार: खड़गे

जयपुर। कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी को झूठों का सरदार करार देते हुए कहा है कि दस साल पहले जनता से जो वादे किए गए वे आज तक पूरे नहीं हुए और वह जहां भी जाते हैं कुछ न कुछ नया झूठ बोलकर आते हैं। श्री खड़गे शनिवार को यहां जनसभा को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने दावा करते हुए कहा "अगर लोकसभा चुनाव में हमारी सरकार आई तो हम जनता को दी सभी गारंटियों को अमल में लायेंगे, हम कभी झूठ बोलने वाले में से नहीं हैं जैसा की मोदी झूठ बोलते हैं और हर जगह जाते है कुछ न कुछ नया झूठ बोल कर आते हैं।

उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने कितनी गारंटिया दी है और वे लोगों तक पहुंची हैं। उन्होंने शुरु में पहली गारंटी युवाओं को हर साल दो करोड़ नौकरी देने की गांरटी दी थी और पिछले दस साल में 20 करोड़ युवाओं को नौकरी दी जानी चाहिए थी लेकिन युवाओं को नौकरी नहीं मिली। उन्होंने सवाल किया कि श्री मोदी प्रधानमंत्री है, वह झूठ कैसे बोल सकते हैं लेकिन वे झूठे हैं और इस दौरान वह युवाओं को नौकरी नहीं दे पाये। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने यह भी कहा था कि बाहर के देशों में कांग्रेस के लोगों का काला धन रखा है वह लाकर देश के हर व्यक्ति को 15 लाख रुपए दिए जायेंगे लेकिन यह वादा भी पूरा नहीं किया गया।

श्री खड़गे ने कहा कि श्री मोदी ने किसानों के लिए उनकी आमदनी दोगुनी करने का वादा भी किया था लेकिन किसानों की आमदनी दोगुनी नहीं हुई। इसी तरह अन्य कई वादे जनता से किए लेकिन उन्हें पूरा नहीं कर पाये। उन्होंने कहा कि इसलिए मोदीजी झूठों के सरदार है और वह झूठ बोलते है। श्री खड़गे ने श्री मोदी के हाल में चुरु की जनसभा में दिए भाषण का जिक्र करते हुए कहा कि आज किसान परेशान है और वे आत्महत्या कर रहे है लेकिन किसानों के बारे में कोई बात नहीं बोली और कश्मीर अनुच्छेद 370 को निकाल देने की बात कही जबकि इसका यहां के लोगों से क्या वास्ता हैं, यह बात तो उन्हें कश्मीर एवं जम्मू में बोलते तो इसका वह असर होता। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि किसानों के लिए कुछ नहीं किया गया, उनके लिए खाद के दाम कम नहीं किए और नहीं पेट्रोल-डीजल के दाम कम किए जबकि कांग्रेस ने राजस्थान में इंदिरा गांधी कैनाल लाकर राजस्थान की तस्वीर बदल दी हैं।

इंदिरा नहर से लोग खुश हैं क्या यह मोदी ने किया। चंबल घाटी परियोजना कांग्रेस ने किया, क्या यह भी मोदी ने किया। ऐसे कई काम कांग्रेस के समय में हुए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान में कांग्रेस के समय रेलवे का विकास हुआ और आज श्री मोदी नई रेलगाड़ियों को हरी झंडी दिखाकर क्रेडिट ले रहे है। श्री खड़गे ने कहा कि श्री मोदी अपनी पार्टी का नाम भी नहीं लेते और कहते है, मोदी है तो मुमकीन है। वह कहते हैं यह मोदी की गारंटी, यह मेरी गारंटी लेकिन यह गारंटी शब्द हमारा चुरा लिया गया है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने जो गांरटी दी है उसे लागू भी किया है और कर्नाटक और तेलंगाना में छह गारंटियां दी और उसे लागू किया।

उन्होंने कहा कि इनकी कौनसी गारंटी है झूठ बोलने के आलवा कोई गांरटी ही नहीं है। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि श्री मोदी लोगों को भ्रमित करते हैं और कुछ नहीं किया है फिर भी बोलते है कांग्रेस ने कुछ नहीं किया है जबकि हम तो 55 साल का हिसाब दे रहे हैं लेकिन वे हिसाब नहीं दे रहे है केवल गालिया देने का काम कर रहे है। उन्होंने कहा कि एक दिन वह समय आ जायेगा जब गद्दी से उतरने के बाद लोग इनसे पूछेंगे कि देश के लिए क्या किया। उन्होंने विदेश नीति का जिक्र करते हुए कहा कि हर बार कहा गया कि देश मजबूत हुआ, ठीक है मजबूत हुआ, कांग्रेस के समय तत्कालीन प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने पाकिस्तान के दो टुकड़े कर बंगलादेश बना दिया था लेकिन आज चीन वाले आकर यहां कब्जा कर रहे हैं, इस बारे में जिक्र नहीं कर रहे हैं और कह रहे है हम मजबूत हो रहे है। उन्होंने कहा कि श्री मोदी ने लोगों के लिए कुछ नहीं किया हैं इसलिए हम पांच गारंटी सहित 25 गारंटिया लेकर आये हैं जिसमें युवा, महिला एवं किसानों के लिए हैं।

अवैध नर्सिंग होम के विरुद्ध छापेमारी अभियान

अररिया। अररिया सिविल सर्जन के निर्देश पर स्वास्थ्य विभाग द्वारा गठित टीम द्वारा शनिवार को फारबिसगंज रेफरल अस्पताल रोड में चल रहे अवैध नर्सिंग होम और क्लीनिक के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। छापेमारी से अवैध नर्सिंग होम संचालकों में हड़कंप मच गया और अधिकांश नर्सिंग होम संचालक अपने नर्सिंग होम बंद कर भाग खड़े हुए। जिला से गठित टीम के छापेमारी अभियान में डॉ राजीव बसाक प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी, डॉ पंकज कुमार बीईई और रामदेव शामिल थे। टीम ने फारबिसगंज अस्पताल रोड में चल रहे नर्सिंग होम, तनुजा क्लिनिक, आशा हॉस्पिटल ,नेहा राज क्लिनिक ,अल्फा क्लिनिक में पहुंचकर एक-एक रजिस्टर की जांच की। चिकित्सकों और संचालक से जानकारी लेने के बाद कागजात की मांग की गई।किसी भी नर्सिंग होम के संचालक द्वारा वैध कागजात नहीं दिए गए।जांच टीम में शामिल चिकित्सक ने जानकारी देते हुए बताया कि जिला पदाधिकारी के निर्देश पर तीन नर्सिंग होम की जांच की गई। जिसमें किसी का भी रजिस्ट्रेशन नहीं पाया गया, नर्सिंग होम अवैध रूप से चलाया जा रहा है। किसी का भी सरकार से मान्यता प्राप्त नहीं है। साथ ही मांगने पर कोई प्रमाण पत्र भी नहीं दिया गया। वही मामले को गंभीरता से लेते हुए प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी राजीव बसाक ने बताया कि अवैध नर्सिंग होम के खिलाफ छापेमारी अभियान चलाया गया। बिहार क्लिनिक एक्ट 2013 के अनुसार जांच के दौरान कोई भी वैध प्रमाण पत्र नहीं पाया गया। कार्रवाई के लिए अररिया सिविल सर्जन को पत्र लिखा जा रहा है।

लालू अपने सहयोगियों के लिए कभी ईमानदार नहीं रहे : जदयू

पटना। जनता दल यूनाइटेड (जदयू) के वरिष्ठ नेता और बिहार के ग्रामीण कार्य मंत्री अशोक चौधरी ने आज कहा कि राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रमुख लालू प्रसाद यादव चुनाव में सीट बंटवारे के दौरान और अन्य मुद्दों पर अपने सहयोगियों के लिए कभी ईमानदार नहीं रहे। श्री चौधरी ने शनिवार को यहां संवाददाताओं से कहा कि श्री यादव ने हमेशा दूसरे दलों से हाथ मिलाकर केवल फायदा उठाया है लेकिन बदले में उन्हें कोई लाभ नहीं दिया। उन्होंने कहा कि अपने राजनीतिक सहयोगियों के प्रति लालू की ईमानदारी हमेशा संदिग्ध रही है।

गया जीतनराम मांझी के लिये कितनी सुरक्षित?

पटना। बिहार लोकसभा चुनाव में गया (सु) सीट से चौथी बार चुनाव लड़ रहे हिंदुस्तानी आवाम मोर्चा (हम) के प्रमुख जीतनराम मांझी के लिये यह सीट अबतक सुरक्षित नहीं रही है और उन्हें तीन बार इस सीट से पराजय का सामना करना पड़ा है। गया (सु) सीट पर राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन के बैनर तले हम प्रमुख जीतनराम मांझी चौथी बार लोकसभा का चुनाव लड़ रहे हैं। वहीं, महागठबंधन की ओर से राष्ट्रीय जनता दल (राजद) प्रत्याशी और बोधगया के विधायक कुमार सर्वजीत चुनावी रणभूमि में ताल ठोक रहे हैं। कुमार सर्वजीत स्व. राजेश कुमार के पुत्र हैं, जिन्होंने जीतनराम मांझी को वर्ष 1991 के गया (सु) सीट पर हुये लोकसभा चुनाव में पराजित किया था। इस तरह 33 वर्षो के बाद जीतन राम मांझी पिता के बाद पुत्र से मुकाबला कर रहे हैं। गया (सु) इस बार के लोकसभा चुनाव में एकमात्र सीट है, जहां दो विधायक जीतन राम मांझी और कुमार सर्वजीत के बीच मुकाबला होगा। गया (सु) सीट से श्री मांझी ने तीन बार पहले भी अपनी किस्मत आजमायी थी, लेकिन उन्हें हार का सामना करना पड़ा था। सबसे पहले वर्ष 1991 के लोकसभा चुनाव में गया संसदीय सीट से जीतन राम मांझी ने कांग्रेस के टिकट पर पहली बार लोकसभा का चुनाव लड़ा था। इस सीट पर जीतन राम मांझी की टक्कर जनता दल उम्मीदवार राजेश कुमार से हुयी। राजेश कुमार ने जीतन राम मांझी को 53795 मतों के अंतर से पराजित किया। भारतीय जनता पार्ट(भाजपा) उम्मीदवार नगिया देवी तीसरे नंबर पर रही। श्री मांझी ने वर्ष 1991 के बाद 2014 में जनता दल यूनाईटेड (जदयू) के टिकट पर दूसरी बार गया संसदीय सीट से लोकसभा चुनाव लड़ा।

नवादा में कल ऐतिहासिक होगी पीएम नरेंद्र मोदी की जनसभा : विवेक ठाकुर

नवादा। नवादा लोकसभा क्षेत्र के एनडीए प्रत्याशी विवेक ठाकुर ने कहा है कि कल रविवार को नवादा के कुंती नगर मैदान में देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ऐतिहासिक जनसभा होगी ।जिसमें नवादा सहित विभिन्न जिलों के लाखों लोग उपस्थित होकर उनके भाषण से लाभ उठाएंगे ।वे शनिवार को नवादा में एक प्रेस वार्ता को संबोधित कर रहे थे । उन्होंने कहां की नरेंद्र मोदी के कार्यकाल में भारत अपरिमित विकास किया है ।जब 400 सांसदों के बहुमत से तीसरी बार नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनेंगे ,उसके बाद भारत का विकसित भारत का सपना पूरा होगा ।उन्होंने कहा कि भारत के प्रधान मंत्री नरेन्द्र मोदी देश में ही नहीं बल्कि विश्व के सबसे लोकप्रिय नेता है ।जिनके दृष्टिकोण से ही भारत का उत्थान संभव हो पाया है। उन्होंने

कहा कि कल की सभा में जुड़ने वाले लाखों लोग मुझे आशीर्वाद देकर नवादा का सांसद बनाएंगे। तभी नरेंद्र मोदी प्रधानमंत्री बनकर विकसित भारत के साथ विकसित नवादा का भी कल्पना को साकार करेंगे ।उन्होंने कहा किशिक्षा,स्वास्थ्य ,उद्योग ,सहित विभिन्न मामलों में नवादा ऐतिहासिक विकास करेगा। उन्होंने कहा कि रजौली में स्थगित किए गए प्रमाणिक ऊर्जा संयंत्र को भी जल्द ही चालू कर दिया जाएगा ।उन्होंने कहा कि मुझे पता है कि किस कारण से उसे रोका गया है। लेकिन डबल इंजन की सरकार होने की वजह से उसका भी काम पूरा कर लिया जाएगा। उन्होंने नवादा वासियों से लाखों की संख्या में जुट कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के भाषण सुनने का आह्वान किया है। उन्होंने कहा है कि इस सभा में केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह ,केंद्रीय मंत्री नित्यानंद राय, लोजपा रामविलास के अध्यक्ष चिराग पासवान ,हम के नेता संतोष मांझी, उपेंद्र कुशवाहा ,उपमुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ,बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार आदि नेताओं का भाषण होगा। इस अवसर पर वरिष्ठ नेता पूर्व सिविल सर्जन डॉक्टर विमल कुमार सिंह, विनय सिंह, वीरेंद्र सिंह ,प्रेमचंद पटियाला, चंद्रमौली शर्मा, अरविंद शर्मा आदि उपस्थित थे।

अपराध | **पूर्णिया के रुपौली थाना क्षेत्र के चपहरी गांव में हुआ था हादसा**

सात वर्षीय नाबालिग हत्या मामले में दो गिरफ्तार

एफएसएल की टीम ने पहले दुश्कर्म एवं हत्या की शिकार बालिका की जांच की ।फिर वह घटना स्थल पर मक्के के खेत में पहुंची। दोनों को न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है।

पूर्णिया। पूर्णिया के रुपौली थाना क्षेत्र के चपहरी गांव में हुए सात वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के पिता ने हिरासत में लिये गए दोनों युवकों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है । गुरूवार से गायब बालिका का शव शुक्रवार की दोपहर को पुलिस ने मक्का के खेत से बरामद किया था तथा तत्काल मौके पर दो युवकों को गिरफतार किया था । बालिका गुरुवार को मक्का की खुटी जलावन के लिए काटने गई थी, तभी से वह गायब थी, जिसका शव दूसरे दिन मिला था । पिता ने हिरासत में लिए गए गांव के ही दोनों युवकों प्रेम उरांव पिता रामू उरांव एवं मो शेख नाजीर पिता शेख इस्लाम पर ही पुत्री की हत्या कर शव को मक्का के खेत में छूपा देने का आरोपित किया है । पिता ने आरोपितों में से एक प्रेम उरांव के बारे में बताया कि उसने पिछले साल उसकी पत्नी को मारकर बुरी तरह से घायल कर दिया था जो मामला पंचायत में ही प्रेम उरांव को आर्थिक दंड देकर खत्म कर दिया गया था । उनका दावा है कि दोनों ने अन्य के साथ मिलकर उसकी पुत्री के साथ दुष्कर्म करके शव को रंजीत मंडल के खेत में फेक दिया था। इस लोहमर्शक घटना में दुष्कर्म के बाद हुई हत्या के मामले में देर रात तक एफएसएल एवं डॉग स्कॉयड टीम जांच में जूटी रही। बालिका का शव शुक्रवार की दोपहर को पुलिस ने मक्का के खेत से शव को बरामद किया था तथा तत्काल मौके पर दो युवकों को गिरफतार किया था । बालिका गुरूवार को मक्का की खुटी जलावन के लिए काटने गई थी, तभी से वह गायब थी, जिसका शव दूसरे दिन मिला था। पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए दो को हिरासत में लिया था तथा एफएसएल एवं डॉग स्कॉयड की टीमों को घटना की जांच के लिए बुला लिया था ।

सात वर्षीय नाबालिग हत्या मामले में दो गिरफ्तार

पूर्णिया। पूर्णिया के रुपौली थाना क्षेत्र के चपहरी गांव में हुए सात वर्षीय बालिका के साथ दुष्कर्म के मामले में दो लोगो को गिरफ्तार कर लिया गया है। मृतका के पिता ने हिरासत में लिये गए दोनों युवकों को नामजद करते हुए प्राथमिकी दर्ज कराई है । गुरूवार से गायब बालिका का शव शुक्रवार की दोपहर को पुलिस ने मक्का के खेत से बरामद किया था तथा तत्काल मौके पर दो युवकों को गिरफतार किया था । बालिका गुरुवार को मक्का की खुटी जलावन के लिए काटने गई थी, तभी से वह गायब थी, जिसका शव दूसरे दिन मिला था । पिता ने हिरासत में लिए गए गांव के ही दोनों युवकों प्रेम उरांव पिता रामू उरांव एवं मो शेख नाजीर पिता शेख इस्लाम पर ही पुत्री की हत्या कर शव को मक्का के खेत में छूपा देने का आरोपित किया है

M.S. MEMORIAL PUBLIC SCHOOL
BALGANGA, ARERAJ ROAD, MOTIHARI
Contact No.- 9939047109, 9431203674

एसएसबी ने डेढ किलो अफीम के साथ एक बाइक किया जब्त, तस्कर फरार

मोतिहारी। एसएसबी 71वीं बटालियन के अठमोहान पोस्ट के जवानों ने शनिवार की दोपहर गश्त के दौरान भारतीय सीमा पर स्थित अगरवा गांव में पिलर संख्या 359/10 के समीप से बाइक पर लदी अफीम को जब्त किया है। बताया गया कि बाइक सवार तस्कर ने एसएसबी को देख बाइक छोड़ नेपाल की ओर भागने में सफल रहा। उक्त बाइक जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 05 जे 8164 हीरो स्प्लेंडर प्रो है, जिससे तस्कर की शिनाख्त कर अग्रेतर कारवाई की जा रही है। उक्त जानकारी 71वी वाहिनी के कमान्डेंट प्रफुल्ल कुमार ने दी है।

अभिषेक ने रजत पदक प्राप्त कर बढ़ाया मान

मोतिहारी। शहर के एलएनडी कॉलेज के स्नातक द्वितीय सेमेस्टर के छात्र अभिषेक कुमार ने राष्ट्रीय अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2023-24 में आदिवासी संस्कृति शीर्षक पर आधारित इंस्टालेशन प्रतियोगिता में रजत पदक प्राप्त कर मोतिहारी सहित पूरे बिहार को गौरवान्वित किया है। 109 विश्वविद्यालयों के बीच यह प्रतियोगिता इस बार पंजाब कृषि विश्वविद्यालय,लुधियाना,पंजाब में आयोजित किया गया था। ज्ञातव्य हो कि अभिषेक कुमार ने इससे पहले ईस्ट जोन अंतर विश्वविद्यालय युवा महोत्सव 2023-24 बहरामपुर,उड़ीसा में इंस्टालेशन और क्विज प्रतियोगिता में क्रमशः प्रथम और चतुर्थ स्थान प्राप्त किया था। पदक प्राप्ति के उपरांत अभिषेक कुमार के प्रथम बार मोतिहारी आगमन पर कॉलेज के प्राचार्य प्रो.(डॉ.) राजेश कुमार सिन्हा, एनएसएस समन्वयक एसोसिएट प्रो.अरविंद कुमार, सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ.रविरंजन सिंह, एसोसिएट प्रो.राकेश रंजन कुमार, एसोसिएट प्रो. जौवाद हुसैन, मीडिया प्रभारी डॉ. प्रभाकर कुमार ने संयुक्त रूप से सम्मानित किया। प्राचार्य प्रो. सिन्हा ने अभिषेक के उज्ज्वल भविष्य के प्रति शुभकामना देते हुए बताया कि एनएसएस स्वयंसेवक के रूप में भी अभिषेक का कार्यकलाप काफी प्रशंसनीय है। एनएसएस समन्वयक ने बताया कि अभिषेक की उपलब्धि अन्य स्वयंसेवकों के लिए एक महत्वपूर्ण प्रेरणा है। सांस्कृतिक प्रकोष्ठ प्रभारी डॉ. सिंह ने बताया कि सीमित संसाधनों में भी

अभिषेक कुमार ने जो उपलब्धि हासिल करके दिखाया है वो एक मिशाल है। इससे पहले बीआरएबीयू मुजफ्फरपुर के कुलपति प्रो.(डॉ.) दिनेश चंद्र राय ने भी अभिषेक कुमार को सम्मानित किया है। कॉलेज के प्राध्यापक डॉ. सुबोध कुमार,डॉ. दुर्गेश मणि तिवारी, डॉ.दुर्बाद्ल भट्टाचार्य, डॉ. कुमार राकेश रंजन, डॉ. सर्वेश दुबे, डॉ. दीपक कुमार, डॉ. संतोष विश्नोई, राजीव कुमार, कामेश भूषण, मणिभूषण, संजीव किशोर, अमित कुमार, अखिलेश कुमार,आलोक पांडेय, आशुतोष सहित अन्य ने भी बधाइयां दी है।

चोरी-चुपके प्रेमिका के घर पहुंचे प्रेमी की पहले धुनाई फिर लोगों ने कराई शादी

मोतिहारी। जिले में एक आशिक को अपने प्रेमिका से चोरी चुपके मिलना मंहगा पड़ गया। लोगो पहले जमकर धुनाई की फिर प्रेमिका के मांग में सिंदूर डलवाकर शादी करा दी। मामला मुफस्सिल थाना क्षेत्र के हरियन छपरा गांव की है।जहां रात के अंधेरे में एक प्रेमी अपने प्रेमिका से मिलने उसके घर पहुंच गया। इसी बीच आस पास के लोगो की नजर आशिक युवक पर पड़ गई।जिसके बाद ग्रामीणों ने पकड़ कर पहले उसकी जमकर धुनाई किया फिर स्थानीय लोगो की पहल पर प्रेमी युबक से प्रेमिका की मांग में सिंदूर डलवा शादी करवा दिया। बताया जाता है सौरभ कुमार नामक युवक को हरियन छपरा गांव की एक लड़की से

प्रेम हो गया था। जिसके बाद लड़का और लड़की काफी दिनों से एक दूसरे से मोबाइल पर बाते भी किया करते थे। इस दौरान दोनों का प्यार का परवान चढ़ता गया। कुछ दिन पूर्व लड़की के परिजनो को दोनों के प्यार की भनक लगी तो उन लोगों ने लड़की की मोबाइल ले ली। जिस कारण दोनों के बीच बातचीत बंद हो गया। जिससे दोनों की बेकरारी बढने लगी। शुक्रवार की देर रात बेकरार आशिक प्रेमिका के घर ही पहुंच गया। फिलहाल दोनों पक्ष के लोगो के साथ स्थानीय जनप्रतिनिधि व ग्रामीण बैठक कर लड़की की विदाई कराने को लेकर सहमति बनाने में जुटे है।

कार से 15 किलो गांजा बरामद तस्कर एवं कार चालक फरार

बेतिया। गुप्त सूचना के आधार पर साठी पुलिस ने छापामारी कर एक कार से 15 किलो गांजा बरामद किया और मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार को जप्त कर लिया जबकि तस्कर एवं कार चालक भागने में सफल रहे । उक्त जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ 1 विवेक दीप ने बताया कि साठी पुलिस को गुप्त सूचना मिली कि तस्कर चार पहिया वाहन से परसौनी के रास्ते सोमगढ़ गांव स्थित गांजा कि एक खेप लाने वाले हैं । सूचना के आलोक में साठी थाना अध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम गठित कर छापामारी करने का निर्देश दिया गया । टीम द्वारा सोमगढ़ ग्राम के पास नाकाबंदी कर परसौनी की ओर से आ रही एक मारुति सुजुकी कार को रोकने का संकेत दिया गया। तब तक पुलिस को देख चालक एवं तस्कर कार छोड़कर भाग खड़े हुए। कार की तलाशी ली गई, तो उसमें रखा 15 किलो गांजा का एक

बंडल बरामद किया गया और मारुति सुजुकी स्विफ्ट कार रजिस्ट्रेशन नंबर DL95C 9316 जप्त कर लिया गया । इस संबंध में पुलिस ने साठी थाना में एक कांड दर्ज किया है।

6 किलो चरस के साथ एक युवक गिरफ्तार

बेतिया। मुफस्सिल पुलिस ने वाहन चेकिंग के दौरान एक युवक को बैग में रखें करीब 6 किलो चरस के साथ एक युवक को धर दबोचा। उक्त जानकारी देते हुए सदर एसडीपीओ 1 विवेक दीप ने बताया कि पुलिस अधीक्षक बेतिया के निर्देश पर एसडीपीओ 1 के नेतृत्व में लोकसभा चुनाव के मद्देनजर अपराध की रोकथाम हेतु चलाए जा रहे है वाहन चेकिंग के क्रम में मुफस्सित पुलिस ने हरी वाटिका चौक के पास पुलिस को देख बैग लेकर भाग रहे एक युवक को दौड़ा कर पकड़ा और उसके बैग की तलाशी ली गई। तो उसमें से 5 किलो 900 ग्राम चरस बरामद किया गया। पुलिस ने एक कांड दर्ज करते हुए गिरफ्तार युवक को जेल भेज दिया है। गिरफ्तार युवा के बलथर थाना के भंवरा निवासी लड्डू कुमार पिता मजिस्टर पटेल बताया गया है। वाहन चेकिंग दल में मुफस्सिल थाना अध्यक्ष पुलिस निरीक्षक ज्वाला सिंह दरोगा राजीव कुमार शर्मा आदि पुलिस बल शामिल थे।

बापूधाम मोतिहारी स्टेशन के अस्थायी भवन के कार्यो को 15 अप्रैल तक करे पूर्ण: स्टेशन अधीक्षक

मोतिहारी। बापूधाम मोतिहारी स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बनाने की कवायद के बीच शनिवार को स्टेशन अधीक्षक दिलीप कुमार द्धारा शनिवार को एक बैठक का आयोजन किया गया, जिसमे स्टेशन निर्माण में आने वाली बाधाओं को दूर करने को लेकर कई निर्देश दिये गये। बैठक के बाद स्टेशन अधीक्षक ने अधिकारियों के साथ स्थलीय निरीक्षण कर निर्माण एजेंसी को निर्देश दिया कि 15 अप्रैल तक अस्थाई भवन के अधूरे कार्य को कोचिंग अधीक्षक के परामर्श पर हर हाल में पूर्ण किया जाय। ताकि बुकिंग तथा रिजर्वेशन कार्यालय के शिफ्टिंग के बाद कोई बाधा उत्पन्न न हो।विद्युत तथा टेलीकॉम विभाग को कहा गया कि निर्माण एजेंसी को सहयोग विद्युत तथा नेट की समस्या को त्वरित समाधान कर लिया जाय। इसके साथ ही जल व प्रवेश द्धार,यात्री प्रतीक्षालय व यात्री सीटिंग व्यवस्था वाहन पार्किंग को लेकर भी निर्देशित किया गया। बैठक में कहा गया कि अस्थायी कार्यालय शिफ्टिंग के बाद ही स्टेशन के पुराने बिल्डिंग को तोड़ने की प्रक्रिया शुरू की जाय।संरक्षा को लेकर प्लेटफार्म को आधा घेरने का भी निर्देश दिया गया।बैठक निर्माण एजेंसी द्धारा बताया कि पाइल टेस्टिंग का काम पूरा हो चुका है। ड्राईंग भी तैयार हो गया है लेकिन ड्राईंग एप्रूवल में कुछ समय लगेगा। एप्रूवल के बाद निर्माण में तेजी आ जाएगी। इस बीच डिमालिशन का कार्य पूरा कर लिया जायेगा। प्लेटफार्म नंबर दो के दूसरे तरफ स्कूल बिल्डिंग का काम भी तेजी से चल रहा है। एक महीने के भीतर हैंड ओवर कर दिया जाएगा। इस दौरान निर्माण एजेंसी ने कहा कि निर्माण स्थल पर सिग्नल निर्माण विभाग के स्टोर होने से कार्य में बाधा उत्पन्न हो रही है, जिसको लेकर स्टोर हटाने का निर्देश स्टेशन अधीक्षक ने देते हुए कहा कि स्टेशन के नव निर्माण को लेकर प्रत्येक पंद्रह दिन पर समन्वय बैठक होगी। निर्माण एजेंसी के प्रोजेक्ट डायरेक्टर डीके सिंह ने कहा कि रेल प्रशासन के सकारात्मक सहयोग से समय सीमा के भीतर बापूधाम मोतिहारी स्टेशन को वर्ल्ड क्लास बना दिया जायेगा।

STONE CLINIC MOTIHARI
स्टोन क्लिनिक मोतिहारी
शास्त्री नगर, महिला कॉलेज रोड, मोतिहारी
डॉ. मीना
MBBS,DGO, DNB, (OBG), FMAS
स्त्री एवं प्रसूति रोग विशेषज्ञ

रक्सौल आरपीएफ नें पंद्रह बाल मजदूरों को कराया विमुक्त

चार ठेकेदार गिरफ्तार,भेजा गया जेल

मोतिहारी। रक्सौल आरपीएफ और जीआरपी की संयुक्त कार्यवाही मे 15 बाल मजदूरों को विमुक्त कराया गया। बताया गया कि इन मजदूरों को ठेकेदार मजदूरी कराने अन्य प्रान्त लेकर जा रहे थे।आरपीएफ ने इसमे शामिल चार ठेकेदारों को भी गिरफ्तार किया है।

रक्सौल आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप ने बताया कि इन बाल मजदूरों को रक्सौल रेलवे जंक्शन के प्लेटफार्म संख्या एक पर खड़ी लोकमान्य तिलक एक्सप्रेस की जेनरल संदिग्ध अवस्था में बैठे हुए देखे जाने के बाद इनसे पूछताछ की गयी, जिसमें खुलासा हुआ कि इनको बाहर मजदूरी कराने कुछ लोग ले जा रहे हैं,जो इनके बीच

ही बैठे हुए थे, जिनको तत्काल हिरासत में लिया गया। वही सभी बच्चो को ट्रेन से उतारा गया।इस मामले में स्टेशन पर तैनात रेलवे चाइल्ड हेल्पलाइन के केस वर्कर राहुल कुमार ने प्राथमिकी की दर्ज कराई है। आरपीएफ इंस्पेक्टर ऋतुराज कश्यप नें बताया कि बरामद किए गए बाल मजदूरों में राजा बाबू शर्मा,दीपक कुमार, गणपत कुमार, सबुरी कुमार, दीपक कुमार,सितन कुमार,रुपेश कुमार,विकास कुमार, दिलखुश कुमार, अमन कुमार यादव, लाल बिहारी,किशन मुखिया, शमशांत कुमार, पिंटू कुमार शामिल है, जिनकी निशानदेही पर आरपीएफ एवं जीआरपी के द्वारा इनको बाहर ले जा रहे चार ठेकेदारों सुजय कुमार,सुभाष कुमार यादव, हरिनारायण यादव और मोनालाल कुमार को गिरफ्तार किया गया। पुलिस को दिए गए बयान में इन ठेकेदारों ने बताया कि इन मजदूरों को वे बाहर काम कराने ले जा रहे थे।

वाहन जांच के दौरान 30 किलो चांदी जब्त

मोतिहारी। जिला के सुगौली थाना पुलिस ने वाहन जांच के दौरान शनिवार की अहले सुबह 30 किलो चांदी जब्त किया है। हालांकि कागजात की मांग किये जाने पर कारोबारी ने पुलिस को मात्र 15 लाख रुपए के चांदी का बिल दिया है। सुगौली थानाध्यक्ष मुन्ना कुमार ने बताया कि सुगौली-छपरा बहास मार्ग में चांदी जब्त किया गया। कारोबारी रक्सौल के सोनापट्टी रोड निवासी कौशल सर्राफ बताये गये है,जो पटना से कार पर चांदी लेकर रक्सौल जा रहा था।इसी दौरान छपरा बहास चेक पोस्ट पर वाहन जांच के क्रम में कार में नौ पॉकेट में रखे करीब 30 किलो चांदी जब्त किया गया। पुलिस ने कार समेत चांदी को जब्त कर कारोबारी से पूछताछ कर रही है। मामले की पुष्टि करते एसपी सदर शिखर चौधरी ने बताया कि चांदी जब्ती को लेकर इनकम टैक्स विभाग को सूचित किया गया है।साथ ही अन्य जांच एजेंसी को भी इसकी सूचना दी गई है। एजेंसी के जांचोपरांत इस मामले में प्राथमिकी दर्ज आवश्यक कारवाई की जायेगी।

ईद पर्व को लेकर बाजार हुआ गुलजार लोग जमकर कर रहे है खरीदारी

> बाजारों में इसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजारों में जहां खरीदारी परवान पर है वहीं हर गली मुहल्लाह नगर में खुशी का माहौल है।

मोतिहारी। माहे रमजान अब अंतिम पड़ाव पर है। रमज़ान की बरकतों से मालामाल रोजेदार रमज़ान की विदाई से जहां गमगीन हैं वहीं पर आने वाली ईद पर्व की खुशियां भी उनकी तैयारियां में जबरदस्त उत्साह पैदा कर रही है। इस सद्भावना एवं हर्ष व उल्लास के पर्व पर खरीद व फरोख्त का बाज़ार गर्म रहता है। लोग अपने अपने घरों की सफाई में लगें है तो दूसरी तरफ तरह तरह के शॉपिंग दूकानों की रौनक बने हुए हैं इस से बाज़ार की रौनक लौट आई है और हर तरफ गहमागहमी देखी जा रही है ।शनिवार को भी बाजार खरीदारों से गुलजार रहा। देर रात तक लोग खरीदारी में मशगूल रहे। बाजार

में जहां टर्की टोपी धूम मचाए है तो वहीं कुर्ता पाजामा की बिक्री भी चरम पर है। कपड़ों की सिलाई के लिए दर्जियों की दुकानों पर भीड़ हो रही है। ईद को लेकर लोगों में उत्साह का माहौल देखा जा रहा है। कारण ईद की तैयारियों को लेकर बाजार गुलजार होने लगा है। ईद को लेकर शहर के मिना बाजार, बलुआ बाजार, सहित प्रखंडों के बाजारों में ईद के सामग्रियों की दुकानें सजने लगी है। खासकर सेवई, खजूर, कुर्ता एवं पयजामा के अलग- अलग भेराइटी बाजार में उतर गया है। वहीं तरह-तरह के इत्र से बाजार महकने लगा है। बताते चलें कि ईद-उल-फित्र का त्योहार नजदीक है। इसे लेकर नगर सहित जिले के बाजारों में इसकी तैयारियां तेज हो गई हैं। बाजारों में जहां खरीदारी परवान पर है वहीं हर गली मुहल्लाह नगर में खुशी का माहौल है।

चुनाव प्रक्रिया को भयमुक्त माहौल में संपन्न कराने में अर्धसैनिक बल की भूमिका महत्वपूर्णः डीएम

मोतिहारी। लोकसभा निर्वाचन को भय मुक्त माहौल में संपन्न कराने के लिए पूर्वी चंपारण जिला में केंद्रीय पैरामिलिट्री फोर्स का आगमन प्रारंभ हो गया है। शनिवार को बीएसएफ,आईटीबीपी एवं सीआरपीएफ की कंपनियों के कंपनी कमांडर जिलाधिकारी से उनके कार्यालय कक्ष में मिले एवं सीमा क्षेत्र सहित जिला के वर्तमान स्थिति पर गहन विचार विमर्श हुआ। मौके पर जिलाधिकारी ने बताया कि नेपाल के साथ जिला की सीमा पर दोनों तरफ चौकसी रखने के लिए उच्च स्तरीय वार्ता हुई है जिसके आलोक में कार्य भी किया जा रहा है। परंतु अभी भी वहां सघन छापेमारी और चौकसी की जरूरत है। इसके अतिरिक्त

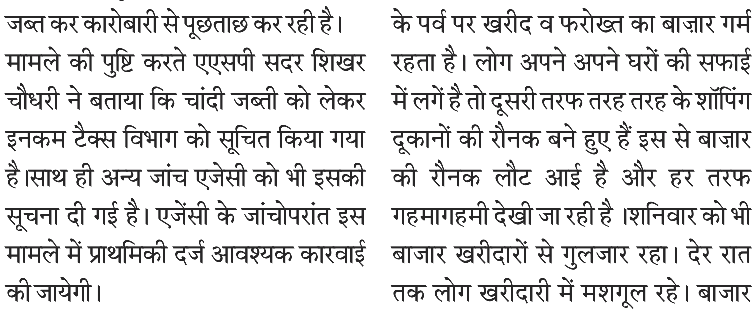

जिला के सीमावर्ती क्षेत्रों में नाका के माध्यम से नजर रखी जा रही है और आने जाने वाले वाहनों की लगातार चेकिंग की जा रही है।जिला में एसएसटी और एफएसटी की टीम सक्रिय है। जिलाधिकारी ने कहा कि केंद्रीय पैरामिलिट्री फोर्स को ग्रामीण क्षेत्र से लेकर नगर क्षेत्र में एरिया डोमिनेंसी के लिए लगातार मार्च पास्ट कराई जाएगी। इसके अतिरिक्त जहां भी जरूरत होगी उन्हें लगाया जाएगा। इस दौरान उप विकास आयुक्त, नगर आयुक्त,अपर समाहर्ता, अनुमंडल पदाधिकारी सदर, सिकरहना, अरेराज एवं रक्सौल उपस्थित थे।

रक्सौल में वाहन चेकिंग के दौरान 12 लाख रुपये बरामद

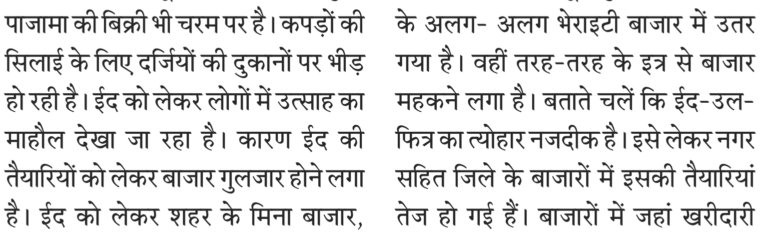

मोतिहारी। जिले के रक्सौल पुलिस ने जांच के क्रम में भारी मात्रा में रुपया बरामद किया है।उक्त कारवाई रक्सौल डीएसपी धीरेंद्र कुमार के निर्देश पर रक्सौल थाना अध्यक्ष राजीवनंदन सिंह के नेतृत्व में सीआरपीएफ टीम ने लक्ष्मीपुर स्थित चेक पोस्ट पर वाहन जांच के क्रम में की है। बताया जा रहा है,कि रक्सौल से रामगढ़वा की ओर जा रहे बाइक सवार को रोक कर जांच की गई तो अधकपरिया निवासी सकीकुर रहमान के बैग से 8 लाख 10 हजार रूपया व रामगढ़वा आमोदेई निवासी बाइक सवार संजय कुमार के बैग से 3 लाख 91 हजार रुपया जब्त किया गया। जब्त रुपए को थाना लाकर दंडाधिकारी अंचल निरीक्षक विपिन बिहारी शुक्ला के नेतृत्व में गिनती किया जा रहा है।वही रूपये धारक से पूछताछ की जा रही है।

Editorial

Sunday 07 April 2024

सहकारिता से मिलेगा करोड़ों को स्वरोजगार

अगर भारत दुनिया की शीर्ष तीन सबसे बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में से एक बनने की ओरतेजी से बढ़ रहा है, तो इसमें सहकारी आंदोलन एक महत्वपूर्ण भूमिका रहने वाली है। यह एक ऐसी खिड़की है, जहां से सतत आर्थिक विकास की रोशनी लगातार आ सकती है। इसलिए मोदी सरकार भारत में सहकारिता आंदोलन को गति देना चाहती है। सरकार और अर्थशास्त्रियों को पता है कि सहकारिता क्षेत्र के रास्ते भारत संसार की एक बड़ी आर्थिक महाशक्ति बन सकता है। निश्चित रुप से इस सेक्टर को इस लक्ष्य के लिए एक बड़ी भूमिका निभानी पड़ेगी और शायद इस क्षेत्र में छुपी अपार संभावनाओं को देखते हुए ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने एक अलग सहकारिता मंत्रालय का ही गठन कर दिया है। ताकि इसके लिए अलग बजट का प्रावधान किया जा सके। चूंकि, यह क्षेत्र बहुत बड़ा है और इस पर करोड़ों लोगों की निर्भरता है, इसलिए इसका पोषण और संरक्षण भी जरुरी है। देश के 29 राज्यों में लगभग 8,02,639 सहकारी समितियां हैं, और ये अरबों का व्यापार भी कर रही हैं। देश में सहकारी बैंकों की कुल संख्या 1,886 है, जिसमें 1,500 शहरी सहकारी बैंक और 386 ग्रामीण सहकारी बैंक शामिल हैं। ये सहकारी संस्थाएं देश भर में विभिन्न समुदायों की वित्तीय जरुरतों को पूरा करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। बेशक, केंद्र सरकार ने पिछले 10 वर्षों में सहकारिता के क्षेत्र में अभूतपूर्व काम किया है। उससे पहले देश में सहकारी समितियों स्थिति अच्छी नहीं थी। यहाँ भी भ्रष्टाचार ने अपने पैर गहरे जमा लिए थे। आपसी मिलीभगत के जरिए वित्तीय लेन-देन में कुछ लोग काफी हेरफेर करते रहे थे। प्रबंधन के नाम पर केवल कागजी कार्रवाई भर होती थी। व्यक्तिगत मतभेद और लड़ाई-झगड़ा तो आम बात थी। कुछ बड़े भाग्यशाली समूह मनमानी करते थे और किसानों तथा छोटे उद्यमियों तक काम पहुंच ही नहीं पाते थे। लेकिन, अब प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व और गृह और सहकारिता मंत्री अमित शाह की निगरानी ने दृश्य बदल कर रख दिया है।

क्यों बार-बार अदालतों से फटकार खाती है ममता सरकार

~ योगेंद्र योगी

देश में पश्चिम बंगाल एकमात्र ऐसा राज्य बन गया है जहां बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर अदालतों की सर्वाधिक फटकार और निर्देशों का सामना करना पडा है। अराजकता की ऐसी हालत एक दशक पहले तक कभी उत्तर प्रदेश और बिहार की हुआ करती थी। पश्चिम बंगाल में एक प्रदर्शन के दौरान सत्तारुढ़ कम्युनिस्ट पार्टी के कार्यकर्ताओं ने तत्कालीन कांग्रेस नेता ममता बनर्जी के साथ जब बदसलूकी करी थी। इस पर ममता ने कम्युनिस्ट सरकार को उखाड़ फेकने की शपथ ली थी। ममता ने हिंसा और अराजकता से गुजर रहे बंगाल को कम्युनिस्टों से मुक्ति दिलाई। कम्युनिस्टों के खिलाफ जिस आंदोलन से ममता ने सत्ता की सीढ़ियां चढ़ी अब अपने विरोधियों को परास्त करने के लिए ममता ने वही रास्ता अपना लिया है। संदेशखाली की घटना के बाद हाईकोर्ट ने जिस तरह की टिप्पणी ममता सरकार के खिलाफ की है, उससे जाहिर है कि पश्चिम बंगाल में कानून-व्यवस्था रसातल में जा रही है। ममता की पार्टी तृणमूल का एकमात्र उद्देश्य रह गया है अपने विरोधियों की आवाज बंद करना, इसके लिए चाहे गैरकानूनी तरीकों का इस्तेमाल ही क्यों न करना पड़ा। संदेशखाली मामले को लेकर आज कलकत्ता हाईकोर्ट ने बंगाल के प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी टीएमसी को भी बेहद तल्ख लहजे में फटकार लगाई। कोर्ट ने कहा कि अगर संदेशखाली मामले में एक प्रतिशत भी सच है तो प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसकी जिम्मेदार है। कोर्ट ने कहा कि यह मामला बेहद शर्मनाक है। अदालत ने कहा कि हर नागरिक की सुरक्षा राज्य सरकार की जिम्मेदारी है। कोर्ट ने कहा कि संदेशखाली मामले में जिला प्रशासन और पश्चिम बंगाल सरकार को खुद से नैतिक जिम्मेदारी लेना चाहिए। इतना ही नहीं कोर्ट ने कहा कि अगर इस मामले में एक प्रतिशत भी सच्चाई है तो यह शर्मनाक है और पूरा प्रशासन और सत्ताधारी पार्टी इसके लिए नैतिक तौर पर 100 प्रतिशत जिम्मेदार हैं। कलकत्ता हाईकोर्ट के चीफ जस्टिस टीएस शिवज्ञानम सख्त लहजे में कहा कि अगर इसका एक भी एफिडेविट सही है तो यह शर्मनाक है। यह लोगों की सुरक्षा का मामला है। चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर आप एससी-एसटीनेशनल कमीशन की रिपोर्ट देखेंगे तो उसमें अगर एक फीसदी भी सच है तो ये 100 फीसदी शर्मनाक है। वहीं इस दौरान एक अन्य जनहित याचिकाकर्ता के वकील ने कहा कि इस मामले में गवाहों को सुरक्षा प्रदान की जाए। सुरक्षा कारणों से कोई भी महिला अदालत में गवाही देने नहीं आई। एक अन्य याचिकाकर्ता की वकील प्रियंका टिबरेवाल ने कहा कि उनके पास अनेक महिलाओं ने यौन उत्पीड़न की शिकायत की है। ये लोग कह रहे हैं कि अगर महिलाओं ने बयान दिया तो उनके पति-बच्चों का सिर काटकर फुटबाल खेलेंगे। राज्य की ओर से वकालत करते हुए महाधिवक्ता (एजी) ने कहा कि हमें देखना होगा कि संदेशखाली में क्या हुआ। उन्होंने कहा कि सीबीआई ने अपनी विश्वसनीयता खो दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी सीबीआई को पिंजरे में बंद तोता कहा था। सभी पक्षों की बातें सुनने के बाद मुख्य न्यायाधीश ने शाहजहां के वकील से सख्त लहजे में कहा कि आप एक आरोपित की ओर से सवाल पूछ रहे हैं।

(लेखक वरिष्ठ स्तंभकार हैं)

Today's Opinion

बंद हो किसी भी भारतवासी को 'बाहरी' उम्मीदवार बताना

आर.के. सिन्हा

आगामी लोकसभा चुनावों के लिए नामांकन पत्र भरने और चुनाव प्रचार का काम प्रतिदिन गति पकड़ता जा रहा है। इसके साथ ही सभी दल अपने उम्मीदवारों के नामों की घोषणा भी करते जा रहे हैं। संयोग से अभी तक किसी प्रत्याशी पर 'बाहरी' उम्मीदवार होने का आरोप अभी तक नहीं लगा है। हालांकि, हमारे यहां किसी को भी बिना किसी कारण के बाहरी उम्मीदवार बता दिया जाता है। याद करें 2014 के लोकसभा चुनाव के समय जब नरेन्द्र मोदी ने वाराणसी से चुनाव लड़ने का फैसला किया था तो कांग्रेस के नेता उन्हें 'बाहरी' बताने में लगे थे। इसी तरह अरुण जेटली के 2014 में अमृतसर से चुनाव लड़ने पर विवाद खड़ा हो गया था। उन्हें भी कांग्रेस ने बाहरी उम्मीदवार कहा था। यह आरोप उस कांग्रेस के नेताओं ने लगाए थे जिस पार्टी ने देश के 1952 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में बाहरी दिल्ली सीट से मलयाली सज्जन सी.कृष्ण नायर को अपना उम्मीदवार बनाया था। दिल्ली उन्हें गांवों का गांधी कहती थी। सी.कृष्ण नायर की दिल्ली विकास प्राधिकरण (डीडीए) को स्थापित करने में अहम भूमिका रही थी। वे लोकसभा के 1957 में हुए चुनाव में भी जीते थे। जिस कांग्रेस ने नायर साहब को टिकट दिया था उसी ने 1957 के लोकसभा चुनाव में अंबाला में जन्मी बांग्ला परिवार से संबंध रखने वाली सुचेता कृपलानी को नई दिल्ली सीट से अपना उम्मीदवार बनाया। सुचेता जी आगे चलकर उत्तर प्रदेश की मुख्यमंत्री भी बनीं। सच में अपने ही देश में कोई बाहरी उम्मीदवार कैसे हो सकता है। सारा भारत हम सबका है। यहाँ हरेक भारतवासी नागरिक को कहीं भी रहने या कहीं से भी चुनाव लड़ने का पूरा अधिकार है। तब किसी को बाहरी कहना हर लिहाज से निंदनीय है। सुचेता जी के पति और प्रख्यात स्वाधीनता सेनानी आचार्य कृपलानी बिहार के भागलपुर और सीतामढ़ी से सांसद रहे। यानी एक सिंधी बिहार से सांसद बना। अब जार्ज फर्नांडीज को लें। जार्ज साहब भले ही दक्षिण भारत से आते थे, पर बिहार उन्हें अपना मानता था और वे बिहार को अपना मानते थे। बिहार ने उन्हें तहेदिल से आदर भी दिया। उन्होंने भी बिहार को पूरी तरह अपना लिया था। वे भोजपुरी भाषा और मैथली भाषा भी मजेकी बोल लिया करते थे। जॉर्ज साहब को बिहार की जनता ने कई बार लोकसभा में भेजा। वह मुंबई से भी लोकसभा का चुनाव जीते। बिखरे बाल, बिना प्रेस किया हुआ खादी का कुर्ता-पायजामा, मामूली सी चप्पल पहनने वाले जार्ज साहब जैसा मजदूर नेता, प्रखर वक्ता, उसूलों की राजनीति करने वाले इंसान अब फिर से देश शायद ही देखेगा। वे चिर बागी थे। उनका कोई चुनावी जातीय समीकरण भी नहीं था । उनका कोई संगठित काडर भी नहीं था, फिर भी वह अंतरराष्ट्रीय हैसियत के नेता थे। इससे पूर्व भी 1962 और 1967 में बिहार ने मराठी मधु लिमये को लोकसभा में बार-बार भेजा। वह जब संसद में होते थे, तो सत्तापक्ष को डर सताता रहता था कि कब उनपर तीखे सवालों की बौछार हो जाएगी। बिहार की राजनीति की बात मधु लिमये के ज़िक्र के बिना पूरी नहीं हो सकती। वह मूल रुप से पुणे के थे। एक मराठी व्यक्ति का बिहार से चार बार चुनाव जीतना अपने आप में अनोखा है। राज्यसभा में ऐसे कई दूसरे नेता हुए हैं, लेकिन लोकसभा में ऐसे उदाहरण कम ही देखे गए हैं। लिमये का बचपन महाराष्ट्र में बीता, उनकी पूरी पढ़ाई भी वहीं से हुई, वो महाराष्ट्र की राजनीति में भी सक्रिय थे। उन्होंने जब राष्ट्रीय राजनीति में क़दम रखा तो चुनाव लड़ने के लिए बिहार ही चुना। पहली बार वो 1962 में मुंगेर से चुनाव जीतकर संसद पहुंचे थे। 1964 में, सोशलिस्ट पार्टी और प्रजा सोशलिस्ट पार्टी का विलय हुआ और यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी बनी थी। मधु लिमये पहली बार यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर लोकसभा गए थे। 1967 के चुनावों में, लिमये ने यूनाइटेड सोशलिस्ट पार्टी के टिकट पर मुंगेर से जीत हासिल की। 1973 में, लिमये ने बिहार के बांका से चुनाव जीता। किसी को अपने ही देश में बाहरी कह कर अपमानित करना सही नहीं है। कानपुर से एस.एम.बैनर्जी लंबे समय तक सांसद बनते रहे। वह बांग्लाभाषी थे और बंगाल से कानपुर में आकर बसे थे। वह मजदूर नेता थे।

(लेखक वरिष्ठ संपादक, स्तंभकार और पूर्व सांसद हैं)

मुद्रक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी बिहार -845401 से मुद्रित तथा सरोतर निवास राजाबाजार, मोतिहारी बिहार से प्रकाशित, संपादक सागर सूरज* फोन न:-06252-296796,
प्रसार:-9470050309 ईमेल:- bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइट:- www.bordernewsmirror.com(*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) TITLE CODE - BIHBIL02431

आंखों के फड़कने के पीछे हो सकती हैं ये गंभीर बीमारियां

इग्नोर करने की गलती न करें

आंखों का फड़कना कभी भी शुरू हो सकता है और अपने आप ही ठीक भी हो जाता है। हालांकि अगर यह समस्या हफ्तों या महीनों रहे तो आपको डॉक्टर की सलाह जरूर लेनी चाहिए। ऐसा इसलिए क्योंकि इसके पीछे कई गंभीर बीमारियां भी हो सकती हैं।

आंखों का फड़कना वैसे तो आम बात है, आमतौर पर इसे ज्योतिष से जोड़कर देखा जाता है। लेकिन, आज हम आपको बता रहे हैं कि आंखें आखिर क्यों फड़कती हैं और इसके पीछे का साइंस क्या है।

पलक की मांसपेशियों में ऐंठन के कारण किसी की भी आंख फड़कना शुरू हो सकती है। आंखों का फड़कना बेहद मामूली सी बात है और आमतौर पर ऊपरी पलक पर ही इसका असर ज्यादा देखने को मिलता है। हालांकि, ये नीचे और ऊपर दोनों पलके फड़क सकती हैं। वैसे तो ज्यादातर मामलों में आंख फड़कना शुरू होती है और अपने आप ही कुछ घंटों या फिर अगले दिन तक बंद भी हो जाती है, लेकिन अगर ऐस हफ्तों या महीनों तक होता है, तो आपको डॉक्टर को ज़रूर दिखाना चाहिए। मेडिकल में इसकी तीन अलग-अलग कंडीशन होती हैं- मायोकेमिया, ब्लेफेरोस्पाज़्म और हेमीफेशियल स्पाज़्म।

किन-किन वजहों से फड़क सकती हैं आंखें

1. आईलिड मायोकेमिया

इसमें आंखों का फड़कना हल्का होता है और कभी-कभार होता है, जो कुछ घंटों या फिर एक दिन तक रहता हो और फिर अपने आप ही ठीक हो जाता है। इसकी वजह तनाव, आंखों की थकावट, कैफीन का उच्च सेवन, नींद का पूरा न होना या फिर कम्प्यूटर-मोबाइल का ज़रूरत से ज्यादा इस्तेमाल करना हो सकता है।

2. बिनाइन इसेन्शियल ब्लेफेरोस्पाज़्म (BEB)

ये आंखों के फड़कने से जुड़ी एक गंभीर बीमारी है। यह तब होती है जब आपकी आंखों की मांसपेशियां सिकुड़ जाती हैं, जिससे आपकी आंखों को नुकसान पहुंच सकता है। इस बीमारी में जब हम अपनी पलकें झपकाते हैं, तो उसमें दर्द महसूस होता है। इसमें आंखों को खोलना मुश्किल हो जाता है, आंखों में सूजन और धुंधला दिखने लगता है। भौहों के साथ आंखों के आसपास की मांसपेशियां भी फड़कने लगती हैं। इससे आपकी दोनों आंखें प्रभावित हो सकती हैं। यह पुरुषों से ज्यादा महिलाओं में ज्यादा देखा जाता है।

3. हेमीफेशियल स्पाज़्म

इसमें चेहरे का आधा हिस्सा सिकुड़ जाता है, जिसमें आंखें भी शामिल हैं, पलकों के बंद होने और सिकुड़ने के साथ। इसकी वजह से चेहरे, गाल और मुंह की मांसपेशियां फड़कती हैं और सिकुड़ती हैं।

यह आमतौर पर जलन और चेहरे की नसों के संपीड़न के कारण होता है। यह ऐंठन, बेल्स पाल्सी, सर्वाइकल डिस्टोनिया, मल्टीपल सेरोसिस, पार्किंसंस रोग, टॉरेट सिंड्रोम जैसे मस्तिष्क या तंत्रिका विकारों से कम ही जुड़ी होती है।

आंखों के फड़कने के पीछे कारण क्या होते हैं?

आंखों का फड़कना आमतौर पर इन वजहों से होता है:

तनाव: स्ट्रेस हॉर्मोन फड़कने को ट्रिगर करते हैं।

थकावट: अगर आपकी आंखों को पर्याप्त आराम नहीं मिलता है, तो इससे मसल स्पाज़्म ट्रिगर हो सकता है।

आंखों पर दबाव: आंखों का नियमित चेकअप ज़रूर कराएं। आजकल कम्प्यूटर, मोबाइल, टैब जैसे गैजेट्स के ज़्यादा उपयोग से आंखें कमज़ोर होने लगती हैं। समय पर इलाज न होने से ज़रूरत से ज़्यादा दबाव पड़ने लगता है, जिससे भी मसल स्पाज़्म हो सकता है।

कैफीन: इसका ज्यादा सेवन आंखों की मांसपेशियों के फड़कने का कारण बन सकता है।

शराब: ज़रूरत से ज़्यादा शराब का सेवन भी आंखों के फड़कने का कारण बन सकता है।

ड्राई आइज़: हम सभी का स्क्रीन टाइम पहले से काफी ज़्यादा बढ़ा है, जो आंखों के फड़कने को ट्रिगर करता है।

जंक फूड: बाहर का खाना आपके शरीर को ज़रूरी पोषक तत्व नहीं देता। खासतौर पर मैग्नीशियम, जिससे मांसपेशियों में ऐंठन शुरू हो सकती है।

एलर्जी: एलर्जी की प्रतिक्रिया के दौरान जारी हिस्टामाइन भी आंखों के फड़कने को ट्रिगर कर सकता है।

आंखों के फड़कने पर क्या करना चाहिए?

मामूली केस में आंखों का फड़कना अपने आप ठीक हो जाता है। आप इसके लिए आंखों को आराम दे सकते हैं, आई-ड्रोप का उपयोग कर सकते हैं, अच्छी नींद लें, कैफीन का सेवन कम करें, सांस से जुड़ी एक्सरसाइज़ करें जिससे तनाव कम हो।

1. दिमाग और आंखों को आराम दें

लंबी वॉक पर जाएं, एक्सरसाइज़ करें, दोस्तों या परिवार के साथ समय बिताएं। इसके अलावा आप अच्छी नींद ले सकते हैं, जिससे आंखों का फड़कना कम हो सकता है।

2. डाइट में सुधार करें

अपनी डाइट से जंक फूड कम करें, स्वस्थ हरी सब्ज़ियों का सेवन करें, फल और खूब सारा पानी पिएं, ताकि शरीर डीटॉक्स हो और उसे ज़रूरी पोषक तत्व मिलें।

3. आई-ड्रॉप का उपयोग

अगर प्रोफेशनल कारणों की वजह से आपका स्क्रीन टाइप काफी ज़्यादा है, तो आपको डॉक्टर की सलाह से लुब्रिकेंट आई-ड्रॉप का इस्तेमाल दिन में 2-3 बार ज़रूर करना चाहिए। इससे आपकी आंखों में ज़रूरी नमी बनी रहेगी।

4. आंखों का चेकअप ज़रूर कराएं

डॉक्टर सलाह देते हैं कि नियमित रूप से आंखों का चेकअप ज़रूर करवाना चाहिए, ताकि अगर आंखें कमज़ोर हो रही हैं, तो उसका इलाज किया जा सके। इससे आंखों पर कम दबाव पड़ेगा।

मनी प्लांट ही नहीं घर में लगाएं ये 3 पौधे, तरक्की के साथ जाग जाएगा भाग्य

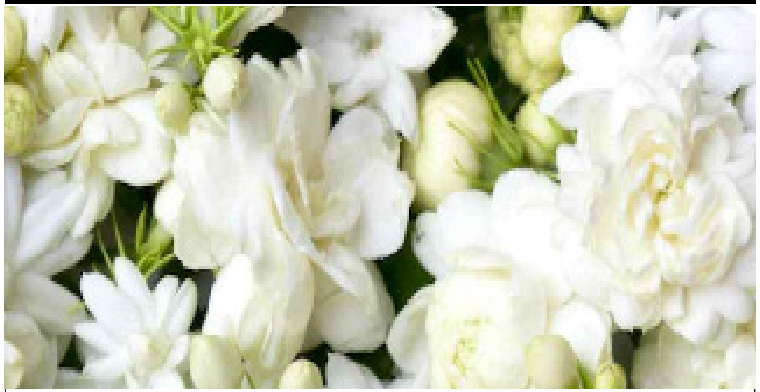

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में हरे भरे पेड़-पौधे रखना काफी शुभ माना जाता है। क्योंकि इससे निकलने वाली सकारात्मक ऊर्जा सुख-समृद्धि के साथ खुशहाली लाती है। इसके साथ ही यह वातावरण को शुद्ध रखने में भी मदद करते हैं।

चमेली

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में चमेली का पौधा लगाना शुभ होता है। क्योंकि यह पौधा सकारात्मक ऊर्जा अधिक आकर्षित करता है। जिससे घर में रहने वाले लोगों की तरक्की होती है पति-पत्नी के बीच प्रेम बना रहता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, इसे घर के अंदर और बाहर दोनों जगह लगा सकते हैं। अगर घर के अंदर लगा रहे हैं तो दक्षिण दिशा की ओर होने वाली खिड़की में रखें और घर के बाहर रख रहे है, तो पूर्व, उत्तर और उत्तर-पूर्व दिशा में रखें।

डैफोडिल का पौधा

डैफोडिल एक नार्सिसस प्रजाति का पौधा है जिसे नरगिस भी कहा जाता है। यह कई रंगों में आसानी से मिल जाता है। वास्तु शास्त्र के अनुसार, पीले रंग के डैफोडिल के पौधे लगाने से सकारात्मक ऊर्जा पैदा होती है।

रबड़ का पौधा

वास्तु शास्त्र के अनुसार, घर में रबड़ का पौधा लगाना भी काफी शुभ माना जाता है। एक ओर जहां यह दूषित हवा को साफ करने में मदद करता है।।

गले में हो रही है दिक्कत तो ना करें नजर अंदाज

टॉनसिल स्टोन गले में होने वाली एक गंभीर समस्या है, जिसके बारे में बहुत कम सुनते या बात करते हैं। नियमित रूप से ब्रश और फ्लॉस करने के बावजूद, सांसों की दुर्गंध के साथ या उसके बिना आपके गले के पिछले हिस्से में बेचैनी का होना, विभिन्न प्रकार की बीमारियों का संकेत हो सकती है, जिसमें स्ट्रेप थ्रोट या टॉन्सिलिटिस शामिल हैं। ऐसे में अगर आप अपने टॉन्सिल पर पीले-सफ़ेद दाने देखते हैं, तो आपको टॉन्सिल स्टोन होने की सबसे अधिक संभावना हो सकती है।

टॉन्सिल स्टोन्स अक्सर बजरी के आकार के होते हैं, लेकिन वे काफी छोटे भी हो सकते हैं जिसकी वजह से उन्हें नग्न आंखों से नहीं देखा जा सकता। लेकिन अगर इनका समय पर इलाज ना किया जाए और वो लंबे समय तक बढ़ते रहें, तो संभावित रूप से यह गोल्फ बॉल या उससे भी बड़े आकार तक बढ़ सकते हैं। आम तौर पर यह नरम होते हैं लेकिन यह कठोर भी हो सकते हैं और दिखने में हल्के पीले या सफेद होते हैं। चलिए जानते हैं टॉन्सिल स्टोन के लक्षण क्या होते हैं-

टॉन्सिल स्टोन के लक्षण-

दर्द

कान का दर्द

निगलने में कठिनाई होना

सांसों की दुर्गंध बनी रहती है

गले में खराश जो ठीक नहीं हो रही है

हल्के पीले या सफेद जमाव वाले टॉन्सिल

आपकी गर्दन के पिछले बाहरी हिस्से में संसेशन

गले का संक्रमण जिसका एंटीबायोटिक दवाओं से इलाज मुश्किल है

अक्सर लोग यह पता लगाने के लिए उन्हें टॉन्सिल स्टोन है या नहीं आईने में देखने की कोशिश करते हैं। लेकिन टॉन्सिल स्टोन हमेशा नंगी आंखों से दिखाई नहीं देते हैं। कभी-कभी नग्न आंखों से देखने के लिए यह बहुत छोटे होते हैं। जब गले में टॉन्सिल स्टोन और टॉन्सिलिटिस दोनों होते हैं, तो यह निर्धारित करना मुश्किल हो सकता है कि आपके गले में दर्द किस कारण से हो रहा है। चलिए जानते हैं टॉन्सिल स्टोन के कारण और जोखिम-

टॉन्सिल स्टोन के कारण और जोखिम-

टॉन्सिल की सतह कुछ लोगों में चिकनी होती है तो वहीं कुछ में अधिक असमान होती है, जिसमें दरारें और जेबें होती हैं जिन्हें क्रिप्ट्स कहा जाता है जो खाद्य कणों, बैक्टीरिया, लार और अन्य कचरे को पकड़ने के लिए पर्याप्त गहरी होती हैं। भोजन, पट्टिका, और सेलुलर मलबे जैसी कई त्वचा कोशिकाएं और मुंह की परत सभी गड्ढों और दरारों में इकट्ठा होती हैं, जो टॉन्सिल स्टोन का कारण बनती हैं।

आपके टॉन्सिल का आकार भी टॉन्सिल स्टोन के पीछे का एक कारण होता है। अधिक क्रिप्ट्स वाले लोगों में टॉन्सिल स्टोन के विकास की संभावना अधिक होती है। हालांकि, इस बात पर जोर दिया जाना चाहिए कि खराब मौखिक स्वच्छता टॉन्सिल स्टोन के विकास का कारण बन सकते हैं और नियमित रूप से अपने गले के पीछे ब्रश करना, फ्लॉस करना और गरारे करना समस्या को रोकने में मददगार साबित हो सकते हैं।

टॉन्सिल स्टोन्स को ऐसे करें प्रतिबंधित

टॉन्सिल स्टोन का आमतौर पर घर पर इलाज किया जा सकता है। कुछ लोग इन वस्तुओं को बाहर धकेलने के लिए रुई के फाहे या अपनी उंगली का उपयोग करना पसंद करते हैं।

शाम के समय बनाएं टेस्टी आलू ब्रेड चाट, फिर शांत हो जाएगी चटपटा खाने की क्रेविंग

शाम होते-होते कुछ अच्छा और चटपटा खाने का मन होने लगता है। ऐसे में चाट एक ऐसा ऑप्शन है जो क्रेविंग्स को शांत कर सकता है। आप भेलपुरी खाते-खाते बोर हो गए हैं तो कुछ नया ट्राई कर सकते हैं। शाम के नाश्ते में चाट अच्छी लगती है लेकिन लोग घर पर चाट बनाने से बचते हैं।

चाट को अधिक समय और मेहनत वाली रेसिपी समझी जाती है लेकिन हम चाट बनाने की ऐसी आसान और झटपट वाली रेसिपी बता रहे हैं, जिससे आप घर पर ही स्वादिष्ट और हेल्दी चाट का लुत्फ उठा सकते हैं। इस चटपटी चाट को सिर्फ ब्रेड और आलू से बनाया जा सकता है। जानें इसकी आसान रेसिपी -

आलू-ब्रेड चाट बनाने की आवश्यक सामग्री

घी या रिफाइंड, ब्रेड, उबले आलू, बारीक कटा टमाटर, धनिया और प्याज, भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला, फेंटा हुआ दही, हरी चटनी, इमली की चटनी, काला नमक, भुजिया- पापड़ी।

आलू-ब्रेड चाट बनाने की विधि

- सबसे पहले एक पैन में घी गर्म करके उसमें ब्रेड को गोल्डन व क्रिस्पी होने तक सेक लें।
- अब एक अलग बाउल में उबले आलू को छीलकर मैश करें और उसमें कटा टमाटर, प्याज और धनिया मिला लें।
- इस मिश्रण में भुना जीरा पाउडर, नमक, लाल मिर्च पाउडर, चाट मसाला डालकर अच्छे से मिक्स कर लें। अब क्रिस्पी ब्रेड के ऊपर आलू की स्टफिंग को रखें।
- इसके ऊपर से फेंटा हुआ दही, हरी चटनी और इमली की चटनी डालें। अब काला नमक, भुजिया, पापड़ी या कोई नमकीन ऊपर से डाल दें। अब इसे अनारदाना और नींबू के साथ गार्निश कर लुत्फ उठाएं।

पराठे को ज्यादा टेस्टी और हेल्दी बनाने के लिए फॉलो करें ये कुकिंग टिप्स

पराठे वैसे तो सर्दियों में ज्यादा अच्छे लगते हैं लेकिन पराठ लवर्स गर्मियों में भी पराठा खाना नहीं भूलते हैं। हालांकि, सप्ताह में एक-दो बार पराठा खाना फायदेमंद है लेकिन रोजाना मील में पराठा खाने से आपके डाइजेशन पर इसका असर पड़ सकता है।

खासकर जिन लोगों का पेट ज्यादातर टाइम पर खराब रहता है, उन्हें रोजाना पराठे नहीं खाने चाहिए लेकिन अगर आप फिर भी पराठे को अपने ब्रेकफास्ट की थाली से अलग नहीं करना चाहते हैं, तो आप पराठा बनाते वक्त ऐसी हेल्दी टिप्स फॉलो कर सकते हैं जिनसे आपका पराठा न सिर्फ हेल्दी बनेगा बल्कि काफी स्वादिष्ट भी बनेगा।

ऑयल

पराठों को ज्यादा हेल्दी बनाने लिए इसमें इस्तेमाल होने वाले तेल पर भी ध्यान दें। पराठे बनाते समय घी और रिफाइंड तेल के प्रयोग से बचें, और इसके बजाय ऑलिव ऑयल का इस्तेमाल करें।

आप चम्मच से तेल न डालें बल्कि इसके लिए ऑयलिंग ब्रश का इस्तेमाल करें क्योंकि आप इसमें देसी घी डालकर बाद में खा सकते हैं।

स्टफिंग

आलू के पराठे तो सभी को पसंद होते हैं लेकिन अगर आप कार्ब वाला पराठा नहीं खाना चाहते हैं, तो आप फूलगोभी, प्याज, मूली और यहां तक कि प्रोटीन युक्त पनीर फिलिंग जैसे हेल्दी ऑप्शन चुन सकते हैं। आप आटा गूंदते समय कुछ मेथी के पत्ते या पालक की प्यूरी मिला सकते हैं। आप रात की बची हुई दाल भी इसमें डाल सकते हैं।

आटा गूंदना

नरम पराठे बनाने के लिए एक किचन हैक है कि पराठे का आटा गूंदते समय इसमें थोड़ा गर्म दूध मिला दें। इससे आटा नरम हो जाएगा और पराठे को थोड़ा अच्छा मीठा स्वाद भी मिलेगा। इसमें आप आटा गूंदते समय आप ताजी मलाई भी डाल सकते हैं।

क्रिस्पी पराठा

आटा गूंदते समय गुनगुने पानी का प्रयोग करें और इसमें हमेशा एक चम्मच घी डालें। आटा गूंदने के बाद, इसे एक प्याले में रखें, थोड़ा-सा तेल लगाकर इसे मलमल के कपड़े से ढक कर रख दें।

मीडियम आंच रखें

पराठे को तवे पर रखने से पहले ध्यान दें कि तवा गरम हो. इसे ज्यादा ठंडे या गर्म तवे पर रखने से पराठा सख्त हो जाएगा। साथ ही पराठे को पकाते समय आंच को भी मीडियम ही रखें। बहुत तेज आंच परपराठा बाहर से जल जाएगा और अंदर से कच्चा रह जाएगा।

सॉफ्ट फूली हुई रोटियां बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स, क्या है आटा स्टोर करने का सही तरीका

महिलाओं को सबसे ज्यादा परेशानी किचन में रोटी बनाने के लिए आटा गूंथते समय होती है। ऐसे में अगर आटा अच्छी तरह न गूंथा हुआ हो तो उसकी रोटियां भी अच्छी नहीं बन पाती है।

महिलाएं अक्सर यह शिकायत करती हैं कि आटा गूंथने पर उनसे या तो आटा जरूरत से ज्यादा सख्त हो जाता है या फिर गीला हो जाता है। अगर आपकी भी यही समस्या है तो आप ये किचन हैक्स अपनाकर फूली हुई सॉफ्ट गोल रोटियां बड़े आराम से बना सकती हैं।

सॉफ्ट रोटी बनाने के लिए अपनाएं ये किचन टिप्स-

आटा गूंथने के लिए करें गुनगुने पानी का इस्तेमाल-

रोटी बनाने के लिए जब भी आटा गूंथें तो पानी को थोड़ा गुनगुना कर लें। इस टिप की मदद से रोटियां सॉफ्ट बनना शुरू हो जाएंगी। आप चाहें तो आटे में थोड़ा सा मोयन यानी आधा चम्मच तेल भी डाल सकती हैं।

आटा गूंथने के तुरंत बाद ना बनाएं रोटी –

रोटी के लिए आटा गूंथ लिया है तो कम से कम 10 मिनट के लिए उसे ढक कर रख दें। आटे को थोड़ा खमीर देने से भी रोटियां बहुत अच्छी बनती हैं।

आटा स्टोर करते समय रखें इस बात का ध्यान–

आटा स्टोर करते समय सबसे पहले तो कोशिश करें कि आपका आटा बहुत ज्यादा देर तक रखा न रहे। 24 घंटे पुराने आटे का इस्तेमाल बिलकुल भी न करें। इसके अलावा आटा स्टोर करते समय ध्यान रखें कि तेल या घी उसमें लगा दें।

घी या तेल लगाने के बाद आटे को एल्युमिनियम फॉयल में लपेट कर किसी एयर टाइट कंटेनर में ही फ्रिज में रखें। ऐसा करने से आटा ज्यादा लंबे समय तक फ्रेश रह सकेगा।

Sunday
07 April 2024

BNM Fantasy

“ससुराल का गुलाम” का ट्रेलर आउट

भोजपुरी सिने इंडस्ट्री के फिटनेस आइकॉन विक्रांत सिंह राजपूत और भोजपुरी की मशहूर अभिनेत्री यामिनी सिंह स्टार फिल्म ससुराल का गुलाम का ट्रेलर आउट हो गया है। फिल्म का ट्रेलर आज सुबह B4U भोजपुरी रिलीज किया गया है जो 4 मिनट 26 सेकंड का है। इस फिल्म का निर्माण B4U मोशन पिक्चर के द्वारा हाई आईक्यू एंटरटेनमेंट एलएलपी के बैनर से किया गया है। फिल्म के निर्माता संदीप सिंह और अरविंद अग्रवाल है जबकि निर्देशक इश्तियाक शेख बंटी है, जिन्होंने बताया कि फिल्म जल्द ही रिलीज होगी। बात करें फिल्म ससुराल का गुलाम के कहानी की तो ट्रेलर से मालूम पड़ता है कि यह उसे बेटे की कहानी है।

अक्षरा सिंह ने पंजाबी सिंगर मनकीरत औलख के साथ गाना "डिफेंडर" से मचाया धमाल

भोजपुरी सेंसेशन अक्षरा सिंह और पंजाबी रॉक स्टार मनकीरत औलख की जोड़ी ने अपने नए गाने "डिफेंडर" से धमाल मचा दिया। यह गाना देखते ही देखते वायरल हो गया और अभी यूट्यूब पर म्यूजिक क्षेत्र में 23 नंबर पर कुछ ही समय बाद ट्रेंड करने लगा। एनर्जेटिक रिदम और कैची बिट्स पर अक्षरा सिंह का मूड इस गाने में अपलिफ्ट करने वाला है। वही गाने में मनकीरत औलख अपने चिर परिचित स्वैग वाले अंदाज में नजर आ रहे हैं। गाने के व्यूज का मीटर तेजी से भाग रहा है। डिफेंडर एक हरियाणवी पॉप ट्रैक है, जिसे मनकीरत औलख ने अपनी आवाज दी है। साथ में हरियाणा की फीमेल सिंगर रेणुका पंवार की खूबसूरत वॉइस ने इस गाने में चार चांद लगाए हैं जिस पर अक्षरा सिंह की अदाओं से गाने की खूबसूरती और भी बढ़ जाती है। पंजाबी रॉक स्टार मनकीरत औलख, हरयाणवी वॉइस सेंशेसन रेणुका पंवार और भोजपुरी क्वीन अक्षरा सिंह की तिकड़ी ने इस गाने को रोचक बनाया है। वही अक्षरा सिंह ने अपने इस गाने को लेकर खुशी जाहिर की और कहा कि यह नए स्टाइल का गाना है जो ट्रेंड सेट करता है। मैं खुश हूं कि देश के दिग्गज कलाकारों के साथ इस गाने को किया है और उम्मीद करती हूं कि सबों को यह पसंद आएगी। आपको बता दें कि मनकीरत औलख पंजाबी इंडस्ट्री के मशहूर गायकों में से एक हैं, तो वहीं अक्षरा सिंह भोजपुरी म्यूजिक इंडस्ट्री में एक क्षत्र अभिनय और गायकी की दुनिया में राज करने वाली कलाकार हैं।

पहली ही फिल्म से हिट हुई रश्मिका मंदाना

साल 2020 में मिला नेशनल क्रश का टैग

नेशनल क्रश के नाम से मशहूर बॉलीवुड और साउथ एक्ट्रेस रश्मिका मंदाना आज अपना 28वां जन्मदिन मना रही हैं। पिछला साल यानी 2023 उनके करियर सबसे बेहतरीन साल साबित हुआ। फिल्म एनिमल में रणबीर कपूर के अपोजिट नजर आईं थी जो कि सुपरहिट साबित हो गई है। इससे पहले रश्मिका फिल्म पुष्पा में श्रीवल्ली के रोल से फेमस हो चुकी है। आज एक्ट्रेस का 28वां जन्मदिन है, चलिए आपको रश्मिका की लाइफ के बारे मे कुछ अनसुने किस्से बताते हैं।रश्मिका मंदाना की स्कूलिंग कुर्ग पब्लिक स्कूल, गोनिकोप्पल में हुई जो कि एक बोर्डिंग स्कूल था। उस दौरान वह काफी इंट्रोवर्ट थी, जिसके कारण उन्हें क्लासमेट्स और सीनियर्स के साथ घुलने-मिलने में परेशानी होती थी। इस वजह से वह दुखी होकर कमरों में घंटो तक रोती थी। ग्रेजुएशन के दौरान रश्मिका ने क्लीन एंड क्लियर फ्रेश फेस 2014 कॉन्टेस्ट जीता था, जिसके बाद उन्होंने मॉडलिंग करना शुरु कर दिया। इसी दौरान फिल्मेकर्स की उन पर नजर पड़ी और उन्हें फिल्म किरिक पार्टी का ऑफर मिला। पहली फिल्म में काम करने से रश्मिका ने मना कर दिया था। इसके बाद उनके पेरेंट्स ने एक्ट्रेस का हौसला बढ़ाया तो वह मन गई। एक इंटरव्यू में रश्मिका ने बताया कि, जब उन्होंने किरिक पार्टी साइन की तो मैंने सोचा कि सिर्फ एक ही फिल्म अगर नहीं चली तो वह घर वापस लौट जाएगी और पापा का बिजनेस संभाल लूंगी। किरिक पार्टी के बाद रश्मिका का करियर चमक उठा था। इसके बाद उन्हें अंजनिपुत्र, चमक, चलो, गीता गोविंदम, यजमान, सरिलेरु नीकेवारु, भीष्म, पोगारू, सुल्तान, सीता रामण और वरिसु जैसी हिट फिल्में दीं। साल 2020 रश्मिका के लिए बेहद खास था क्योंकि गूगल ने उन्हें नेशनल क्रश घोषित किया था। नेशनल क्रश शब्द लिखने पर रश्मिका का ही फोटो गूगल पर नजर आता है। वहीं एक्स पर भी रश्मिका मंदाना का नाम ट्रेंड करता रहता है। बता दें कि, एनिमल मूवी में छोटे रोल मे नजर आई तृप्ति डिमरी की पॉपुलैरिटी उन पर भारी पड़ गई। तृप्ति की खूबसूरती और एक्टिंग के लोग दीवने हो गए और उन्हें नई नेशनल क्रश कहने लगे। हालांकि, रश्मिका की पॉपुलैरिटी अभी से सोशल मीडिया पर खूब है।